आईपीओ का दूसरा सबसे दमदार दिसंबर

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 20 दिसंबर

सार्वजनिक निर्गम

- दिसंबर 2023 में छह कंपनियां रकम जुटाने की प्रक्रिया पूरी कर चुकी हैं और दो की सूचीबद्धता बुधवार को हुई
- हैप्पी फोर्जिंग्स, आरबीजेड ज्वैलर्स और क्रेडो ब्रांड्स के आईपीओ गुरुवार को बंद होंगे
- आजाद इंजीनियरिंग का आईपीओ बुधवार को खुला और इनोवा कैपिटल का इश्यू गुरुवार को खुलेगा
- दिसंबर 2008, 2013 और 2018 में कोई आईपीओ नहीं आए थे, वहीं 2003 में दो आईपीओ पेश हुए थे

दिसंबर 2023 में 11 कंपनियों ने अपने-अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम पेश किए। कुल मिलाकर ये कंपनियां 8,182.7 करोड़ रुपये जुटा रही हैं। दिसंबर 2021 में 11 कंपनियों ने 9,534 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस तरह दिसंबर 2023आईपीओ के लिए 1996 के बाद का दूसरा सबसे अच्छा दिसंबर है।

छह कंपनियां रकम जुटाने की प्रक्रिया पूरी कर चुकी हैं और दो की सूचीबद्धता बुधवार को हुई। स्टेशनरी उत्पाद बनाने वाली फर्म डोम्स इंडस्ट्रीज और होम फाइनैंसर इंडिया शेल्टर फाइनैंस के शेयर बुधवार को एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हुए। डोम्स इंडस्ट्रीज ने अपने इश्यू प्राइस से 68.5 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 1,331 रुपये पर कारोबार की समाप्ति की। वहीं इंडिया शेल्टर फाइनैंस का शेयर अपने इश्यू प्राइस से 10.2 फीसदी की बढ़त के साथ 543.5 रुपये पर बंद हुआ।

हैप्पी फोर्जिंग्स, आरबीजेड ज्वैलर्स और क्रेडो ब्रांड्स के आईपीओ गुरुवार को बंद होंगे। आजाद इंजीनियरिंग का आईपीओ बुधवार को खुला और इनोवा कैपिटल का इश्यू गुरुवार को खुलेगा।

आईपीओ की बढ़ी गतिविधियों ने आम चुनाव वाले वर्ष से एक साल पहले के दिसंबर महीने के दौरान रही बदकिस्मती को भी बदल दिया। दिसंबर 2008, 2013 और 2018 में कोई आईपीओ नहीं आए थे, वहीं 2003 में दो आईपीओ पेश हुए थे।

राज्य चुनावों को लेकर अनिश्चितता और फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति के फैसले आने के बीच दिसंबर के पहले हिस्से में कोई आईपीओ नहीं आया।

हालांकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में कटौती के संकेत दिए जाने और पहली कटौती अगले साल की शुरुआत में होने की खबर से निवेशक उत्साहित हुए। केंद्रीय बैंक के कुछ अधिकारियों ने संकेत दिया कि अगले साल ब्याज दरों में 75 आधार अंकों की कटौती होगी, जो बाजार के अनुमानों से ज्यादा है।

सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की पांच में से तीन विधानसभा चुनावों में जीत ने राजनीतिक परिदृश्य अनुकूल बना दिया और उम्मीद बढ़ी कि अगले साल के आम चुनाव के बाद नीतिगत व सरकार की निरंतरता जारी रहेगी।

दोनों घटनाक्रम से इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का निवेश बढ़ा। दिसंबर में एफपीआई 56,617 करोड़ रुपये की इक्विटी के शुद्ध खरीदार रहे हैं। एनएसडीएल के आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

इसके अतिरिक्त कंपनियां दिसंबर के आखिरी हफ्ते से पहले अपने-अपने आईपीओ को पूरा करने में जुटी हुई है और एफपीआई का निवेश छुट्टी के सीजन के कारण नरम पड़ सकता है।बैंकरों ने कहा कि कंपनियां इस महीने इक्विटी में आई तेजी का फायदा उठाने की कोशिश कर रही हैं। दिसंबर 2023 में अब तक सेंसेक्स 5.3 फीसदी चढ़ा है और यह दिसंबर 2020 के बाद साल का दूसरा सबसे अच्छा अंतिम महीना रहा। इस महीने के कुछ आईपीओ में प्राइवेट इक्विटी निवेशक और प्रवर्तक अपनी-अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं।इस महीने का सबसे बड़ा आईपीओ आईनॉक्स सीवीए का है, जो पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है, जहां प्रवर्तक अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं।

इस बीच, इंडिया शेल्टर फाइनैंस के आईपीओ में कई पीई कंपनियां अपनी-अपनी हिस्सेदारी बेचते दिखेंगी। हैप्पी फोर्जिंग्स और मुथूट माइक्रोफिन के आईपीओ में प्राथमिक व द्वितीयक शेयर बिक्री एक साथ हो रही है।

सेंट्रम कैपिटल के पार्टनर (निवेश बैंकिंग) प्रांजल श्रीवास्तव ने कहा, अनुकूल बाजार दिसंबर में पेशकश को आगे बढ़ा रहा है। बाजारों में काफी उत्साह और सकारात्मक रफ्तार है। पीई व प्रवर्तकों को सही वक्त मिला है। उन्होंने अपना कागजी काम पूरा किया और मंजूरी हासिल की। बाजार में कई गंभीर करार भी हुए हैं। इसकी रफ्तार हाल के समय की सबसे मजबूत रफ्तार है।

अगले महीने भी आईपीओ पेश होंगे और करीब एक दर्जन कंपनियां अपनी पेशकश के साथ बाजार में उतरने को तैयार हैं।

कार्वी मामले में गिरवी शेयरों पर बैंकों को सैट से राहत

खुशबू तिवारी
मुंबई, 20 दिसंबर

कार्वी ने ग्राहकों की 2,300 करोड़ रुपये की प्रतिभूतियां गिरवी रखी थीं

प्रतिभूति अपील पंचाट (सैट) ने बुधवार को ऐक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और बजाज फाइनैंस के खिलाफ बाजार नियामक की तरफ से जारी दो अलग-अलग आदेशों को खारिज कर दिया, जिसमें बैंकों को कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग की तरफ से गिरवी रखे गए शेयरों को वापस लेने से रोका था। साल 2019 में सेबी ने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग की तरफ से क्लाइंटों की प्रतिभूतियों के दुरुपयोग की पुष्टि की थी। बैंकों की याचिका पर सेबी के पहले के आदेश के मुताबिक, स्टॉक ब्रोकर की तरफ से गिरवी रखी गई प्रतिभूतियों की कीमत 2,300 करोड़ रुपये से ज्यादा थी। सेबी ने इन गिरवी शेयरों को बेचने की बैंक की याचिका खारिज कर दी थी।

ट्रिब्यूनल ने ऐक्सिस बैंक को गिरवी शेयर बेचने की इजाजत दी है और बाजार नियामक को निर्देश दिया है कि वह अन्य बैंकों के पक्ष में गिरवी शेयरों को बहाल करे और मुआवजे का भुगतान करे। न्यायमूर्ति तरुण अग्रवाल ने कहा, सेबी, एनएसई और एनएसडीएल को चार हफ्ते के भीतर इन गिरवी शेयरों को अपीलकर्ता के हक में बहाल करने का निर्देश दिया गया है। इसके विकल्प के तौर पर सेबी, एनएसई और एनएसडीएल को अपीलकर्ताओं को गिरवी प्रतिभूतियों कीमत की कीमत इस अवधि में 10 फीसदी सालाना ब्याज के साथ देने का निर्देश दिया गया है।

चूंकि ऐक्सिस बैंक को डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल, हैदराबाद से गिरवी शेयरों के स्थानांतरण पर स्थगन आदेश मिल गया था, ऐसे में ये शेयर नहीं बेचे गए और अभी भी बरकरार हैं।

अन्य बैंकों के मामले में एनएसडीएल ने गिरवी शेयर कार्वी के क्लाइंटों को स्थानांतरित कर दिए।

ट्रिब्यूनल ने कहा कि बैंकों के मामले में एनएसडीएल या सेबी गिरवी रखने वालों की मंजूरी के बिना गिरवी शेयर न तो जारी कर सकते हैं या स्थानांतरित कर सकते हैं।

ट्रिब्यूनल ने कहा, 'जब थर्ड पार्टी का अधिकार सृजित हुआ तो सेबी हस्तक्षेप नहीं कर सकता और मनमाने तरीके से शेयर हटा नहीं सकता। हमारी राय में सेबी ने एनएसडीएल को गिरवी शेयर हस्तांतरित करने का निर्देश देने मामले में मनमाने ढंग से काम किया।'

सैट ने कहा कि अगर सेबी और डिपॉजिटरी की राय यह है कि कार्वी ने गलत तरीके से गिरवी रखा था तब सही उपचार एनसीएलटी के सामने उसके रजिस्टर में सुधार के लिए आवेदन करने का था।

सेबी के 13 दिसंबर, 2019 के आदेश के मुताबिक, कार्वी के ऊपर ऐक्सिस बैंक का ब्याज समेत 80.64 करोड़ रुपये बकाया है, आईसीआई-सीआई बैंक का 642.25 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का 208.5 करोड़ रुपये, बजाज फाइनैंस का 344 करोड़ रुपये और इंडसइंड बैंक का 159 करोड़ रुपये बकाया है।

फ्यूचर कॉरपोरेट मामले में सेबी का आदेश रद्द

बीएस संवाददाता
मुंबई, 20 दिसंबर

प्रतिभूति अपील पंचाट (सैट) ने फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज, किशोर बियाणी (फ्यूचर रिटेल के चेयरमैन) और भेदिया कारोबार के आरोप से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ बाजार नियामक सेबी के आदेश को रद्द कर दिया है।

फरवरी 2021 में जारी एक आदेश में, बाजार नियामक ने इन्हें कई अवधियों के लिए प्रतिभूति बाजार तक पहुंच बनाने से प्रतिबंधित कर दिया था और गैर-कानूनी तरीके से अर्जित लाभ की वसूली करने का निर्देश दिया और जुर्माना लगाया।

सेबी ने का आरोप था कि फ्यूचर कॉरपोरेट और अन्य ने कुछ खास व्यवसायों का विलय समाप्त किए जाने के बारे में अप्रकाशित कीमत संवेदी जानकारी (यूपीए-सआई) हासिल कर ली और इस वजह से भेदिया कारोबार से संबंधित मानकों का उल्लंघन हुआ।

सैट ने कहा है, 'हम इससे संतुष्ट हैं कि डी-मर्जर से संबंधित जानकारी पहले से ही पब्लिक डोमेन में थी और इसलिए, साक्षात्कारों और समाचार रिपोर्टों के प्रकाशन के बाद अपीलकर्ताओं द्वारा शेयरों में की गई ट्रेडिंग को यूपीएसआई के कब्जे में रहते हुए ट्रेडिंग के रूप में नहीं माना जा सकता है।'

डोम्स इंड. की शानदार शुरुआत, पहले दिन 68 प्रतिशत चढ़ा

भाषा
नई दिल्ली, 20 दिसंबर

पेंसिल और स्टेशनरी उत्पाद बनाने वाली कंपनी डोम्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर की बुधवार को शेयर बाजारों में शानदार शुरुआत हुई। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 790 रुपये पर 68 प्रतिशत के लाभ के साथ बंद हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर कंपनी का शेयर 1,400 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 77.21 प्रतिशत की बढ़त है। बाद में बीएसई पर कंपनी का शेयर 81.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,434.25 रुपये पर पहुंच गया। अंत में यह 68.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,330.85 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई पर कंपनी का शेयर दिन में कारोबार के दौरान 81.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,434 रुपये पर पहुंचा। अंत में यह 64.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,302.95 रुपये पर बंद हुआ।

कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,076.56 करोड़ रुपये रहा। बीएसई पर कंपनी के 7.76 लाख और एनएसई पर 1.46 करोड़ शेयरों का कारोबार हुआ। डोम्स इंडस्ट्रीज के आईपीओ को शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन 93.40 गुना आवेदन मिले थे। कंपनी के 1,200 करोड़ रुपये के आईपीओ में 350 रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 850 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई गई है। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 750-790 रुपये प्रति शेयर था।

वहीं, इंडिया शेल्टर फाइनैंस का शेयर पहले दिन 493 रुपये के निर्गम मूल्य की तुलना में 12.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी के शेयर की शुरुआत निर्गम मूल्य से 24.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 612.70 रुपये पर हुई। बाद में यह 26.77 प्रतिशत चढ़कर 625 रुपये पर पहुंच गया। अंत में कंपनी का शेयर 10.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 543.50 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई पर कंपनी का शेयर 25.76 प्रतिशत के उछाल के साथ 620 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।

तीन कंपनियों को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी मिली

तीन कंपनियों- ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन लिमिटेड, बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड, और पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड को आईपीओ के जरिये धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। इन कंपनियों ने अगस्त और अक्टूबर के बीच भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ आईपीओ के लिए शुरुआती दस्तावेज जमा कराए थे।

इन्हें 12-15 दिसंबर के दौरान नियामक से निष्कर्ष पत्र मिले हैं। किसी भी कंपनी को आईपीओ लाने के लिए सेबी का निष्कर्ष पत्र जरूरी होता है। दस्तावेजों के मसौदे के अनुसार, ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन आईपीओ के तहत नए शेयर जारी कर 1,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं है। दस्तावेजों के अनुसार, बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड आईपीओ के तहत 2.41 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। इसमें भी ओएफएस शामिल नहीं है। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग नई क्षमताओं को विकसित करने और मौजूदा मंचों को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। *भाषा*

एम्बेसी रीट से बाहर हुई ब्लैकस्टोन

वैश्विक कोष ब्लैकस्टोन ने शेयर बाजार में थोक सौदे में एम्बेसी ऑफिस पार्क्स रीट में अपनी समूची 23.5 फीसदी हिस्सेदारी लगभग 7,100 करोड़ रुपये में बेच दी है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने अपनी यूनिट करीब 316 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेची हैं। कुछ मौजूदा यूनिटधारकों ने इसमें भाग लिया है। उन्होंने बताया कि एसबीआई म्युचुअल फंड एक नया निवेशक है। एम्बेसी ऑफिस पार्क रीट भारत का पहला रियल एस्टेट निवेश न्यास (रीट) है, जो वैश्विक निवेश फर्म ब्लैकस्टोन और बेंगलूरु स्थित रियल्टी फर्म एम्बैसी समूह द्वारा प्रायोजित है। सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से लगभग 5,000 करोड़ रुपये जुटाने के बाद इसे 2019 में सूचीबद्ध किया गया था। *भाषा*

फ्रंट-रनिंग मामले में 11 पक्षों पर प्रतिबंध हटाने से इनकार

बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को 'फ्रंट-रनिंग' मामले में 11 पक्षों पर प्रतिभूति बाजार में लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने से इनकार करते हुए कहा कि इस मामले में विस्तृत जांच जारी है। फ्रंट-रनिंग कारोबार शेयर बाजारों का वह गैरकानूनी तरीका है जिसमें कोई व्यक्ति किसी ब्रोकर या विश्लेषक से मिली अग्रिम सूचना के आधार पर शेयरों का लेनदेन करता है, जबकि उस समय यह सूचना आम ग्राहकों के पास नहीं होती है। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण जी ने कहा,'मुझे लगता है कि नोटिस पाने वालों (11 पक्षों) की दलीलें अंतरिम आदेश में दिए गए निष्कर्षों का खंडन करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इसके बजाय, सुनवाई के दौरान मेरे सामने लाई गई सामग्रियों के आधार पर ये निष्कर्ष और मजबूत हुए हैं।' मामले की विस्तृत जांच जारी है और फिलहाल 26 दिसंबर 2022 के अंतरिम आदेश से अलग आदेश जारी करने का कोई कारण या आधार नहीं है। अंतरिम आदेश में डीलर पारेख और संबद्ध पक्षों पर प्रतिभूतियों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खरीद-बिक्री करने पर प्रतिबंध लगा था। *भाषा*

निफ्टी सूचकांकों पर चलने वाले फंडों का एयूएम बढ़ा

बीएस संवाददाता
मुंबई, 20 दिसंबर

निफ्टी सूचकांकों को ट्रैक करने वाले देसी व अंतरराष्ट्रीय फंडों की प्रबंध-नाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 7 अरब डॉलर (5.8 लाख करोड़ रुपये) पर पहुंच गया, जो पिछले 10 वर्षों में सालाना बढ़त की रफ्तार 53 फीसदी बैठता है। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) इंडिसेज ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूचकांक प्रदाता के मुताबिक, निफ्टी इंडिसेज (एनएसई की सहायक) को ट्रैक करने वाले सात नए पैसिव फंड साल 2023 में जापान व कोरिया में पेश हुए। कंपनी ने कहा, निफ्टी-50 को छह योजनाएं और निफ्टी50 2एक्स लिवरेज इंडेक्स को एक योजना ट्रैक कर रही है। नई योजनाओं ने करीब 55 करोड़ डॉलर का एयूएम सृजित किया।

एनएसई के एमडी व सीईओ आशिषकुमार चौहान ने कहा, बड़े बैश्विक प्रबंधकों की तरफ से भारत में निवेश बढ़ रहा है, जिसकी वजह हमारी अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन और आबादी का अनुकूल ढांचा है।

साल 2023 में नए जुड़ाव के बाद निफ्टी इंडेक्स से जुड़े वैश्विक पैसिव फंडों की संख्या 21 हो गई है। जो परिसंपत्ति प्रबंधक ऐसी योजनाएं पेश करते हैं उनमें आईशेयर्स ब्लैकरॉक, डीडब्ल्यूएस, फर्स्ट ट्रस्ट, नोमूरा ऐसेट मैनेजमेंट, मिरे ऐसेट ग्लोबल इन्वेस्टमेंट्स, सैमसंग ऐसेट मैनेजमेंट, फ्यूबन ऐसेट मैनेजमेंट, ग्लोबल एक्स व किवूम ऐसेट मैनेजमेंट शामिल हैं।

एनएसई इंडिसेज के एमडी व सीईओ मुकेश अग्रवाल ने कहा, भारत केंद्रित पैसिव योजनाओं के लिए हम वैश्विक परिसंपत्ति प्रबंधकों से काफी मजबूत मांग देख रहे हैं। 2023 एनएसई इंडिसेज के लिए ऐतिहासिक वर्ष रहा है और साल के दौरान भारत से बाहर निफ्टी सूचकांकों पर सात पैसिव योजनाएं पेश की गई।

SBI

स्ट्रेस्ड अॅसेट रिझोल्यूशन ग्रुप, कॉरपोरेट सेन्टर,
इक्कीसवीं मंजिल, मेकर टावर्स 'ई' विंग, कफ़ परेड, मुंबई – 400005

ई–नीलामी के माध्यम से पात्र खरीदारों (अनुमत एआरसी/एनबीएफसी/बैंकों/वित्तीय संस्थाओं) को स्ट्रेस्ड लोन एक्सपोजर का हस्तांतरण

भारतीय स्टेट बैंक, ₹ 24.04 करोड़ (केवल ₹ चौबीस करोड़ चार लाख) व्यक्तिगत खाते जिनका कुल मूलधन के साथ दो खाते के स्ट्रेस्ड लोन एक्सपोजर और ₹ 68.12 करोड़ (केवल ₹ अड़सठ करोड़ बारह लाख) के मूल बकाया वाले तीन खातों का एक पूल/पोर्टफोलियो के हस्तांतरण के लिए, भारतीय रिज़र्व बैंक/नियामकों द्वारा जारी लागू नियमों के अधीन, ई–नीलामी के माध्यम से 'जैसा है जहाँ है', 'जैसा है जो है', 'जो कुछ भी है' और 'दायित्वरहित' आधार पर पात्र प्रतिभागियों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है.

सभी इच्छुक पात्र प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे 'रुचि की अभिव्यक्ति' के माध्यम से ई–नीलामी में भाग लेने के लिए अपनी इच्छा प्रस्तुत करें और गैर–प्रकटीकरण समझौते के निष्पादन के बाद, यदि पहले से ही निष्पादित नहीं किया गया है (वेब नोटिस में उल्लिखित समयसीमा के अनुसार) ई–मेल आईडी dgm.sr@sbi.co.in पर संपर्क करें. कृपया बैंक की वेब साइट https://bank.sbi पर जाएं और अधिक विवरण "SBI in the news>Auction Notices>ARC & DRT" में लिंक पर क्लिक करें (वेब नोटिस).

कृपया ध्यान दें कि बैंक अपने पास https://bank.sbi ("SBI in the news>Auction Notices>ARC & DRT" में लिंक पर क्लिक करें) पर शुद्धिपत्र अपलोड करके बिना कोई कारण बताए प्रस्तावित ई–नीलामी को आगे जारी न रखने और ई–नीलामी को परिवर्तित करने, किसी भी नियम और शर्तों आदि को किसी भी स्तर पर संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है. बैंक का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा.

स्थान: मुंबई **द्वारा जारी**
तिथि: 21.12.2023 **उप– महाप्रबंधक (एआरसी)**

APPOINTMENTS

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India

1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

चन्द्रमुखी, नरीमन प्वाइंट, मुंबई-400 021, दूरभाष 022-66387680,
फैक्स 022-22044336, Website: **www.centralbankofindia.co.in**

सफाई कर्मचारी सह अधीनस्थ कर्मचारी एवं/या अधीनस्थ कर्मचारी2024-25 के लिए भर्ती

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सार्वजनिक क्षेत्र का एक प्रमुख बैंक है, जिसकी अखिल भारतीय शाखा नेटवर्क में 4500 से अधिक शाखाएं हैं, जिनका कुल व्यवसाय ₹6,00,000 करोड़ का है जो 32000 से अधिक कर्मचारियों की प्रतिबद्ध टीम द्वारा संचालित है,सफाई कर्मचारी सह अधीनस्थ कर्मचारी एवं/या अधीनस्थ कर्मचारी 2024-25 की भर्ती का प्रयोजन करता है.

अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे बैंक की वेबसाइट **https://www.centralbankofindia.co.in** पर जाएं.

तारीख: 21.12.2023 **महाव्यवस्थापक (एचसीएम)**
स्थान: मुंबई

(This is only an advertisement for information purpose and not a prospectus announcement. Not for Release or Distribution in the United States.)

SHRI BALAJI VALVE COMPONENTS LIMITED

CIN: U29220PN2011PLC141370

Our Company was originally incorporated on November 17, 2011, as a private limited Company under the name and style of Shri Balaji Valve Components Private Limited under the provisions of Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Pune Maharashtra bearing registration no 141370. Thereafter, our Company was converted from private limited to public limited and the name of our Company was changed from "Shri Balaji Valve Components Private Limited" to "Shri Balaji Valve Components Limited" vide fresh certificate of incorporation dated July 10, 2023 issued by the Registrar of Companies, Pune, Maharashtra. The Corporate Identification Number of our Company is U29220PN2011PLC141370.

Registered Office: Plot No - PAP B 31 Chakan MIDC, PH -2 Khed, Bhamboli, Pune, Maharashtra-410501, India.; **Tel No:** +91 97655 65409; **E-mail:** info@balajivalvecomponents.com; **Website:** www.balajivalvecomponents.com; **Contact Person:** Shrinivas Laxmikant Kole, Chief Financial Officer; **CIN:** U29220PN2011PLC141370

THE ISSUE

INITIAL PUBLIC OFFER OF UPTO 21,60,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH (THE "EQUITY SHARES") OF SHRI BALAJI VALVE COMPONENTS LIMITED ("OUR COMPANY" OR "SBVCL" OR "THE ISSUER") AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE (INCLUDING SHARE PREMIUM OF [•] PER EQUITY SHARE) FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹[•] LAKHS ("PUBLIC ISSUE") OUT OF WHICH 1,14,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING ₹ [•] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE PUBLIC ISSUE LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF 20,46,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹[•] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UPTO ₹[•] LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE PUBLIC ISSUE AND NET ISSUE WILL CONSTITUTE 26.47% AND 25.07% RESPECTIVELY OF THE POST- ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

CORRIGENDUM: NOTICE TO INVESTORS

This is with reference to the Issue opening Intimation Advertisement and Price Band Advertisement published on December 20, 2023, advertised in all editions of the English national newspaper Business Standard, all editions of Hindi national newspaper Business Standard and Pune Edition of Regional newspaper Rashtra Sanchar (Marathi) where our registered office is situated. All capitalized term used in the notice shall, unless the context otherwise requires, have the meaning ascribed in the Red Herring Prospectus. Investors should note the Bid/Issue Program in the above mentioned advertisement as under.

BID/ISSUE PROGRAM
BID/ ISSUE OPENS ON(1): WEDNESDAY, DECEMBER 27, 2023
BID/ ISSUE CLOSES ON: FRIDAY, DECEMBER 29, 2023

(1)Our Company in consultation with the BRLM may consider participation by Anchor Investors. The Anchor Investor Biding Date shall be one Working Day prior to the Bid / Issue Opening Date in accordance with the SEBI (ICDR) Regulations, 2018.

This corrigendum is required to be read in conjunction with the issue opening intimation advertisement, price band advertisement published on December 20, 2023 and Red Herring Prospectus dated December 19, 2023.

On behalf of Board of Directors
Shri Balaji Valve Components Limited
Sd/-
Shrinivas Laxmikant Kole
Whole Time Director & CFO
DIN: 10119216

Place: Pune, Maharashtra
Date: December 20, 2023

Shri Balaji Valve Components Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares the Red Herring Prospectus dated December 19, 2023 has been filed with the Registrar of Companies, Pune and thereafter with SEBI and the Stock Exchanges. The RHP is available on the website of BSE SME at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx?expandable=2 and is available on the websites of the BRLMs at www.hemsecurities.com. Any potential investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, please refer to the Red Herring Prospectus including the section titled ***"Risk Factors"*** ending on page 23 of the Red Herring Prospectus.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the ***"Securities Act"***) or any state securities laws in the United States, and unless so registered, and may not be issued or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act and in accordance with any applicable U.S. State Securities laws. The Equity Shares are being issued and sold outside the United States in 'offshore transactions' in reliance on Regulation "S" under the Securities Act and the applicable laws of each jurisdiction where such issues and sales are made. There will be no public offering in the United States.